वंदेमातरम की भावना राष्ट्रप्रेम की भावना

वंदे मातरम 150 अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम डॉ. यादव ने कहा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 7 नवंबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वंदे मातरम् की भावना राष्ट्रप्रेम की भावना है. लेकिन आजादी के बाद कुछ दलों ने अपनी सुविधा के लिए एक दुविधाजनक मार्ग प्रस्तुत किया, जिसे छद्म सेक्युलरिज्म कहते हैं. यह वास्तव में अपने वोट बैंक की राजनीति को साधने का ही प्रयास था. कांग्रेस का चरित्र इसका सबसे बड़ा उदाहरण है.

वंदे मातरम् गीत में यह बताया गया है कि हमारी तीन देवियों- दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती की कृपा और आशीर्वाद अगर किसी देश पर हो, तो उसकी ताकत क्या होती है. यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में वंदे मातरम @150 अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही. इस दौरान सीएम और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने स्वदेशी का संकल्प भी दिलाया.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार इसी भावना के साथ शासन कर रही है और पाकिस्तान की दुष्टता का जिस ताकत के साथ मोदी जी की सरकार इलाज कर रही है, वह इन तीनों देवियों की कृपा का प्रतीक है. लेकिन कुछ लोगों ने वंदे मातरम् के भाव को समझे बिना उसे छोटे नजरिए से देखते हुए उसे एक धर्म विशेष के साथ जोड़ दिया. वंदे मातरम् की भावना से खिलवाड़ के चलते ही देश का विभाजन हुआ. वंदे मातरम् के मूल भाव को देश और दुनिया के सामने लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस गीत की @150 वीं जयंती मनाने का निर्णय लिया है, जिसके लिए मैं प्रधानमंत्री को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं.

वंदे मातरम देश को एक करने का कार्य कर रहा है : खण्डेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को एक करके देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. वंदे मातरम आज भी देश को एक करने के लिए कार्य कर रहा है. भारत को आजादी मिलने के बाद देश के पहले राष्ट्रपति स्वर्गीय राजेन्द्र प्रसाद ने इस काव्यपाठ को जन-गण-मन की तरह समान दर्जा देते हुए राष्ट्र गीत का दर्जा दिया है. बीबीसी के एक सर्वे में वंदे मातरम को देश प्रेम के गीतों में विश्व के दूसरे सर्वाधिक लोकप्रिय गीत के रूप में पाया है.

राज्यपाल को बैज और स्कार्फ पहनाया

स्काउट्स एवं गाइड्स के 76 वें स्थापना दिवस पर पदाधिकारियों ने की भेंट

भोपाल , 07 नवंबर. राज्यपाल मंगुभाई पटेल को भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के 76वें स्थापना दिवस पर बैज लगाया और स्कार्फ पहनाया गया. राज्यपाल से भारत स्काउट्स एवं गाइड्स राज्य मुख्यालय के पदाधिकारी, अधिकारी एवं राष्ट्रपति अवार्ड प्राप्त स्काउट एवं गाइड ने शुक्रवार को राजभवन में भेंट की.

राज्यपाल पटेल को भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राज्य मुख्य आयुक्त पारसचन्द्र जैन ने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का स्कार्फ पहनाया. राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त स्काउट आदित्य शुक्ला ने स्थापना दिवस का बैज लगाया. राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त गाइड कुमारी तमन्ना गौर ने स्थापना दिवस का स्वनिर्मित ग्रीटिंग कार्ड भेंट किया. इस अवसर पर राज्य आयुक्त (रोवर) राजीव जैन और राज्य सचिव राजेश प्रसाद मिश्रा उपस्थित थे.

> प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वें वर्ष स्मरणोत्सव समारोह का शुभारंभ दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल भोपाल राजभवन से वर्चुअली शामिल हुए. इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, अपर सचिव उमाशंकर भार्गव, सहित राजभवन के अधिकारी उपस्थित थे.

परमात्मा ही सदैव रहने वाला सत्य

78वां निरंकारी संत समागम सम्पन्न

भोपाल, 07 नवंबर. ''आत्ममंथन एक भीतर की यात्रा है. इसे केवल चंचल मन और बुद्धि के स्तर पर नहीं तय किया जा सकता. इसके लिए अपने अंदर आध्यात्मिक रूप में मंथन करने की जरूरत है.''

यह उद्गार सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक समालखा (हरियाणा) में चले 78वें वार्षिक निरंकारी सन्त समागम के पहले दिन मानवता के नाम अपना पावन संदेश देते हुए व्यक्त किए. सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं आदरणीय निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में आयोजित इस चार-दिवसीय संत समागम में भोपाल जोन से सैकड़ों श्रद्धालुओं सहित पूरे भारतवर्ष एवं विदेशों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु भक्त सम्मिलित होकर समागम का भरपूर आनंद प्राप्त कर अपने-अपने घरों की ओर वापस लौटे. समागम के पहले दिन सतगुरु माता जी ने कहा कि हर मानव के अंदर और बाहर एक सत्य निवास करता है, जो स्थिर और शाश्वत है. इसी सत्य को पहले जानना होगा. जब मनुष्य को हर किसी के अंदर इस सत्य का दर्शन होगा तो फिर उसके मन में सबके प्रति प्रेम का भाव उत्पन्न होगा. वास्तव में परमात्मा ने मनुष्य को इस तरह ही बनाया है जिससे उसके मन में प्रेम भाव की प्राथमिकता हो. सतगुरु माता जी ने समागम के तीसरे दिन उदाहरण द्वारा समझाया कि जिस तरह किसी हिल स्टेशन के कुछ पॉइंट्स पर हमारी आवाज टकराकर उन पहाड़ों पर अथवा वहां की अन्य वस्तुओं पर कोई भी प्रभाव न डालते हुए प्रतिध्वनि के रुप में लौट्कर वापस आ जाती है, उसी प्रकार हम दूसरों से जैसा व्यवहार करते हैं.

विश्व कैंसर दिवस पर जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल, 7 नवम्बर. कैंसर जागरूकता दिवस के अवसर पर शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय भोपाल में एनसीसी कैडेट्स द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नेवल एनसीसी अधिकारी एएनओ सब लेफ्टिनेंट डॉ संतोष अंभोरे और एएनओ सब लेफ्टिनेंट डॉ पूजा गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कैंसर की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। कैडेट्स ने नाटक, भाषण और पोस्टर प्रदर्शन के माध्यम से विश्व कैंसर दिवस की थीम क्लोज द केयर गैप का संदेश प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

पाठ योजनाओं को कला के साथ किया प्रस्तुत

शिक्षकों के लिये कला समेकित शिक्षण का हुआ कार्यक्रम

चयनित 65 शिक्षकों ने की सहभागिता

भोपाल, 07 नवंबर. स्कूल शिक्षा में मानवीय संवेदनाओं, सामाजिक मूल्यों और स्थानीय कला को समाहित कर आनंददायक शिक्षण वातावरण बनाने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य स्तरीय समृद्धि कार्यक्रम का आयोजन भोपाल के तुलसी नगर स्थित शासकीय नवीन कन्या विद्यालय में किया. कार्यक्रम का आयोजन एनसीईआरटी के सहयोग से किया गया.

इस वर्ष कला के माध्यम से समावेशी शिक्षा विषय पर आयोजित समृद्धि-2025 में प्रदेश के 30 जिलों के विषय-विशेषज्ञ शिक्षकों ने भाग लिया. शिक्षकों ने विज्ञान, गणित, भाषा एवं वाणिज्य विषय पर आधारित पाठ योजनाओं को कला के साथ शामिल कर प्रस्तुत किया. शिक्षकों ने मूर्तिकला, चित्रकला, मुखौटा निर्माण, संगीत, नृत्य और कठपुतली जैसी विभिन्न कलाओं को अपने विषय पाठ्यक्रम से जोड़ा. कार्यक्रम में अपर परियोजना संचालक समग्र शिक्षा अभियान श्रीमती मनीषा सेतिया उपस्थित थीं.

प्रदेश के 30 जिलों के शिक्षकों ने अपनी परियोजना प्रस्तुत की. विभिन्न मानकों के आधार पर श्रेष्ठ टीमों का चयन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया.

एक नजर में

गुरुनानक जयंती पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

भोपाल, 7 नवम्बर. गुरुनानक जयंती के पावन अवसर पर एलएन मेडिकल कॉलेज और जेके हॉस्पिटल ने समाजसेवा की मिसाल पेश की. राजधानी के अरेरा कॉलोनी ई-4 स्थित गुरुद्वारे में एक नि:शुल्क डायग्नोस्टिक हेल्थ कैप का आयोजन किया गया। शिविर में स्त्री रोग, शिशु रोग, हड्डी रोग और आहार विशेषज्ञों ने गुरुद्वारा सेवादारों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। कैंप में आए विशेषज्ञ डॉक्टरों ने सेवादारों का परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया और जरूरतमंदों को नि:शुल्क दवाएं भी वितरित कीं। स्त्री रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ और आहार विशेषज्ञों ने विभिन्न जांचें कर स्वास्थ्य जागरूकता पर मार्गदर्शन प्रदान किया। एलएन मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों ने कहा कि गुरुनानक देव जी की शिक्षाएं समाज सेवा और मानवता की भावना को मजबूत करती हैं। इस पहल का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंदों तक चिकित्सा सुविधा पहुंचाना है। स्थानीय लोगों और गुरुद्वारा समिति ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य शिविर समाज में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

'वंदे मातरम' के 150 वर्ष होने पर हुए कार्यक्रम

भोपाल, 7 नवम्बर . एनआईटीटीटीआर भोपाल में शुक्रवार राष्ट्रगीत वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूरे होने पर भव्य आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने अपने भावनात्मक उद्बोधन में कहा कि यह गीत, जिसे बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने 1875 में लिखा था यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणा है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों और कर्मियों को इस गीत के ऐतिहासिक महत्व और इसके माध्यम से देशप्रेम की भावना को सशक्त करने का संदेश दिया.

आईईएचई में हुआ विशेष कार्यक्रम

भोपाल, 7 नवम्बर . उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल में संस्थान के भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा 7 अक्टूबर 2025 को 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात् डॉ. अनीता देशपांडे ने विद्यार्थियों को 'वंदे मातरम' गीत के इतिहास, महत्व तथा भावार्थ से अवगत करवाया। तत्पश्चात् भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. प्रज्ञा नायक ने अपने उद्बोधन में 'वंदे मातरम' के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की। संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. महेंद्र सिंघई ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में 'देशभक्ति' एवं 'भारतीय संस्कृति' के विषय में प्रेरक विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. प्रज्ञा नायक द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्थान के संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। देशभक्ति से ओत-प्रोत इस आयोजन की सराहना हुई, साथ ही सभी ने भारत माता के प्रति अपनी श्रद्धा को भी व्यक्त किया। वंदे मातरम राष्ट्रगीत के महत्व को जानने-समझने और उसके माध्यम से राष्ट्रप्रेम की भावना के सकारात्मक प्रसार हेतु कार्यक्रम सार्थक सिद्ध हुआ।

आज का दिन भोपाल के इतिहास का गौरवशाली दिन : आचार्य ज्ञानसागर

भोपाल, 07 नवंबर. आचार्य गुरुदेव विद्यासागरजी महामुनिराज का 54 बां आचार्य पदारोहण दिवस को गौरवशाली इतिहास के रुप में मनाया गया. इस अवसर पर मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ने आचार्य महाराज की आचार्य पद पर प्रतिष्ठित हुई घटना को सुनाते हुए कहा कि राजस्थान के नसीराबाद में मघ शिर बदी दोज का वह दिन आचार्य ज्ञानसागर महाराज 22 साल के युवा मुनि विद्यासागर महाराज कोआचार्य पद पर प्रतिष्ठित होंने के लिए अनुरोध कर रहे थे तो मुनि विद्यासागर ने कहा कि में ऐसे कैसे आपका आचार्य पद ले सकता हूं? तब आचार्य श्री ने गुरुदक्षिणा में आचार्य पद लेने को कहा तो मुनि विद्यासागर ने संकोच वश इस पद को स्वीकार किया था. मुनि श्री ने कहा इतिहास में अनेकानेक घटनाओं को सुना है, लेकिन गुरुदक्षिणा में आचार्य पद पर प्रतिष्ठित किए जाने की यह महत्वपूर्ण घटना 22 नवम्बर1972 मगशिर बदी दोज की है.

देशभक्ति के साथ मनाई 150वीं वर्षगांठ

माखनलाल चतुर्वेदी विवि में भी गूंजा वंदे मातरम

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 07 नवंबर. 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर शहर में शुक्रवार को कई स्थानों पर विशेष आयोजन हुए. शौर्य स्मारक में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में नागरिकों, विद्यार्थियों और पुलिस बैंड ने भाग लिया. मुख्य आकर्षण रहा 150 कलाकारों द्वारा वंदे मातरम् का सामूहिक गायन, जिसने पूरे माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया. इस अवसर पर शौर्य स्मारक परिसर में 'वंदे मातरम' और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे दर्शकों ने सराहा.

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय में केन्द्रीकृत ऑडियो सिस्टम के माध्यम से सामूहिक गायन आयोजित किया गया. निर्धारित समयानुसार चाणक्य भवन में दोपहर 1 बजे, विक्रमशिला में 1 बज कर 10 मिनट और तक्षशिला में 1 बज कर 20 मिनट में सभी विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी ने अपने स्थान पर खड़े होकर राष्ट्रगीत का गायन किया. इस कार्यक्रम ने परिसर में देशप्रेम और एकता का संदेश दिया.

एम्स भोपाल में भी हुआ सामूहिक गायन

वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर एम्स भोपाल में भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस दौरान संस्थान के डॉक्टरों, छात्रों और कर्मचारियों ने एक साथ खड़े होकर राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन किया. इस आयोजन का उद्देश्य देश की सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को सशक्त करना रहा. उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ को देशभर में समारोहपूर्वक मनाने का निर्णय लिया है. भोपाल में हुए ये आयोजन इस राष्ट्रीय अभियान की प्रेरणादायक शुरुआत बने.

15 को मनेगी भगवान बिरसा मुंडा जयंती

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 07 नवंबर. मध्य प्रदेश में इस वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को विशेष रूप से मनाया जाएगा. राज्य सरकार और संगठन मिलकर 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में भव्य कार्यक्रम आयोजित करेंगे. जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने जानकारी दी कि इस बार कार्यक्रमों का समापन अलीराजपुर और जबलपुर में किया जाएगा. इन दोनों स्थानों पर प्रदेशभर से जनजातीय समाज के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि और विद्यार्थी शामिल होंगे. शाह ने बताया कि समापन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे और जनजातीय समाज को संबोधित करेंगे. उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा की जयंती केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह दिन जनजातीय अस्मिता और स्वाभिमान का प्रतीक है. राज्यभर में इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनियों और जनजागरण रैलियां भी आयोजित की जाएंगी.

कैंसर जागरूकता दिवस पर विशेष | डॉक्टर युवराज रघुवंशी ने बताए कैंसर से बचाव के उपाए

कैंसर में डर से नहीं जागरूकता से मिलेगी जीत

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 6 नवम्बर. देश में शुक्रवार को कैंसर जागरूकता दिवस पर कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया . वहीं एनसीआरपी 2020 की रिपोर्ट में बताया गया कि बदलते खान पान और दिनचर्या में न केवल प्रदेश बल्कि देश भर में कैंसर के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है.

प्रदेश में कैंसर के कुल रोगियों में सर्वाधिक 29.2 प्रतिशत 65 से 74 वर्ष के थे। इसके बाद दूसरा बड़ा हिस्सा 55 से 64 वर्ष वालों का 21.7 प्रतिशत था।45 से 54 वर्ष की आयु वाले 20.7 और 35 से 44 वर्ष वाले 14.4 प्रतिशत हैं। लोकसभा में पेश रिपोर्ट के अनुसार हर साल 50 हजार से अधिक कैंसर के मरीज मिल रहे हैं, जिसमें साल 2018 में कैंसर के कुल 73,957 मरीज मिले, जिनमें से 40,798 की मौत हो गई। साल 2019 में कैंसर के कुल 75,911 मरीज मिले, जिनमें से 41,876 की मौत हो गई। साल 2020 में कैंसर के कुल 77888 मरीज मिले, जिनमें से 42,966 की मौत हो गई। कुछ अन्य रिपोर्ट के अनुसार 2021 में 44 हजार और 2022 में 45 हजार 176 की मौत कैंसर के कारण दर्ज की गई है।

डॉ. युवराज ने कहा कि जिन परिवारों में पहले से कैंसर के मामले रहे हैं। उन परिवारों द्वारा जीवनशैली को स्वस्थ न रखने से भी कैंसर होने की स्थिति बनती है। उन्होंने बताया कि कैंसर के शुरुआती लक्षणों को पहचानना ही जीवन बचाने का सबसे महत्वपूर्ण कदम है। शरीर में किसी भी हिस्से में बिना दर्द की गांठ या सूजन का महसूस होना। मुंह में न भरने वाले घाव या सफेद चकत्ते, लंबे समय तक बनी रहने वाली खांसी, आवाज में भारीपन या बदलाव वजन का अचानक, घटना भूख न लगना, लगातार थकान बने रहना ये सभी संकेत हो सकते हैं। शरीर में कुछ भी असामान्य हो रहा है, ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत जांच करवाना जरूरी है।

शुरुआती लक्षणों को पहचानना महत्वपूर्ण

डॉक्टर युवराज रघुवंशी के अनुसार कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे मुख्य कारण अस्वस्थ जीवनशैली है। उन्होंने बताया कि तंबाकू और शराब का सेवन, असंतुलित भोजन, प्रदूषित वातावरण और शारीरिक गतिविधि की कमी इस बीमारी को जन्म देते हैं। लंबे समय तक तनाव में रहना और नींद की कमी भी शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करती है। जिससे कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

पेंच टाइगर रिजर्व के अस्वस्थ नर बाघ का वन विहार में हुआ उपचार

भोपाल, 07 नवंबर. वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी से 4 नवम्बर को अवयस्क अस्वस्थ बाघ को उपचार के लिये लाया गया था, जिसे वन विहार स्थित रेस्क्यू सेंटर में रखा गया है.

संचालक वन विहार राष्ट्रीय उद्यान ने बताया कि बाघ को शुक्रवार को वन विहार चिकित्सालय में बेहोश कर वन्य-प्राणी स्वास्थ्य अधिकारी वन विहार डॉ. अतुल गुप्ता, वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन ट्रस्ट डॉ. प्रशांत देशमुख, वरिष्ठ पशु चिकित्सक राज्य पशु चिकित्सालय भोपाल डॉ. एस.के. तुमड़िया, वाइल्ड लाइफ एसओएस वन विहार डॉ. विनीत पाल और वन्य-प्राणी चिकित्सक सहायक वन विहार डॉ. हमजा द्वारा संयुक्त रूप से बाघ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया. स्वास्थ्य परीक्षण में पाया गया कि बाघ रेक्टल प्रोलेप्स से ग्रसित है. इसे सतत निगरानी में रखकर उपचार किया जा रहा है.